सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 328 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 5 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

यदि बोलने की स्वतंत्रता छीन ली जाये तो शायद गूंगे और मौन हम उसी तरह संचालित होंगे जैसे भेड़ को बलि के लिए ले जाया जा रहा हो।

-जार्ज वाशिंगटन

टी20 विश्वकप के लिए भारत नहीं आएगा... 7 | सियासी दल चलने लगे चाल, अब... 3 | भाजपा जनता को गुमराह करने... 2

सात साल, पांच को जमानत, दो जेल में

दिल्ली दंगों में सात साल बाद आधी राहत, आधा सन्नाटा

» उमर खालिद और शरजिल इस्लाम को एक वर्ष तक जमानत याचिका लगाने पर भी रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज की अहम और सबसे बड़ी खबर वर्ष 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजिल इस्लाम को सर्वोच्च अदालत ने जमानत देने से इंकार कर दिया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों के साथ जेल में बंद पांच अन्य की जमानत याचिका को स्वीकार कर उन्हें जमानत दे दी है।

यही नहीं कोर्ट ने उमर खालिद ओर शरजिल पर एक वर्ष तक जमानत अर्जी न लगाने की भी बात कही है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने इस मामले में जिन अन्य पांच आरोपियों को जमानत दी है उनके नाम इस प्रकार हैं गुलफिशा फातिमा, मीरन हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद। कोर्ट ने कहा है कि प्रत्येक आरोपी की जमानत याचिका पर अलग अलग विचार किया जाना चाहिए क्योंकि सातों आरोपी अपराध के मामले में समान स्तर पर नहीं हैं। बेंच ने कहा है कि उमर खालिद और शरजील इमाम अन्य आरोपियों की तुलना में गुणात्मक रूप से अलग स्तर पर हैं।

भारत की न्याय प्रणाली पर अंतरराष्ट्रीय नजर

दिल्ली दंगों के आरोपियों की लंबी हिरासत को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता जताई जा रही हैं। हाल ही में अमेरिका के कई सांसदों और न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भारत सरकार को एक संयुक्त चिट्ठी लिखकर सवाल उठाए हैं। इस पत्र में कहा गया है कि लंबे समय तक बिना सजा के जेल में रखा जाना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन है। चिट्ठी में विशेष रूप से यह उल्लेख किया गया है कि विचाराधीन कैद को निवारक उपाय की बजाय दंडात्मक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सांसदों ने चिंता जताई कि ऐसे मामलों में कानून का इस्तेमाल राजनीतिक असहमति को दबाने के लिए हो सकता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। जोहरान ममदानी ने अपने बयान में कहा है कि भारत एक संवैधानिक लोकतंत्र है और उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत की आंतरिक न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं चाहता लेकिन मानवाधिकारों पर चुप भी नहीं रह सकता। भारत सरकार ने इस पत्र पर अब तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन कूटनीतिक हलकों में इसे आंतरिक मामलों में दखल के रूप में देखा जा रहा है। वहीं मानवाधिकार समूह इसे भारत के लिए चेतावनी मान रहे हैं कि दुनिया अब सिर्फ आर्थिक नहीं लोकतांत्रिक सूचकांकों पर भी नजर रख रही है।

गुलफिशा फातिमा, मीरन हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को मिली जमानत।

करीब सात साल बाद...

करीब सात साल बाद दिल्ली दंगों से जुड़े एक अहम मामले में सुप्रीम कोर्ट का आज फैसला आया है आज के फैसले ने राहत से ज्यादा सवाल खड़े कर दिए हैं? कि शीर्ष अदालत ने शरजिल इस्लाम और उमर खालिद को छोड़कर बाकी पांच आरोपियों को जमानत दे दी है। यह आदेश ऐसे वक्त आया है जब ट्रायल अब तक निर्णायक मोड़ तक नहीं पहुंच सका और आरोपी लंबे समय से न्यायिक हिरासत में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में खुद स्वीकारा है कि लंबी कैद को सजा का विकल्प नहीं बनाया जा सकता खासकर तब जब मुकदमे की सुनवाई ठोस प्रगति नहीं दिखा पा रही हो। अदालत ने यह भी रेखांकित किया है कि विचाराधीन कैदियों के मौलिक अधिकारों की अनदेखी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर प्रश्न खड़े करती है। हालांकि इसी आदेश में दो नाम ऐसे हैं जिनके लिए राहत का दरवाजा नहीं खुला। शरजिल इस्लाम और उमर खालिद। अदालत ने उनके मामलों को अलग परिस्थितियों वाला बताते हुए फिलहाल जमानत देने से इनकार कर दिया। यही बिंदु इस फैसले को कानूनी से ज्यादा राजनीतिक और नैतिक बहस में बदल देता है।

लोकतंत्र की परीक्षा

दिल्ली दंगों के मामलों में यह आदेश सिर्फ एक कानूनी निर्णय नहीं है बल्कि भारतीय लोकतंत्र की सेहत का एक्सरे है। सवाल यह नहीं कि किसे जमानत मिली और किसे नहीं सवाल यह है कि क्या न्याय अब भी समान निष्पक्ष और समयबद्ध है? फिलहाल पांच परिवारों के घरों में राहत की सांस है जबकि दो नामों के साथ सन्नाटा और लंबा हो गया है। और देश के सामने एक पुराना सवाल फिर खड़ा है क्या न्याय सबके लिए एक जैसा है या हर नाम का अपना अलग वजन है?

राजनीति की खामोशी

इस फैसले पर सत्तापक्ष की ओर से अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है। विपक्ष ने इसे आधी इंसाफ, आधा अन्याय करार दिया है। कांग्रेस, वाम दलों और समाजिक संगठनों ने सवाल उठाया है कि अगर ट्रायल में देरी और सबूतों की कमजोरी जमानत का आधार है तो यह आधार सभी पर समान रूप से क्यों लागू नहीं हुआ? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला आने वाले समय में न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका की बहस को और तेज करेगा खासकर तब जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत की न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं।

भाजपा जनता को गुमराह करने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाती है : अखिलेश यादव

बोले सपा मुखिया- भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार से हर वर्ग त्रस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाजपा पर करारा प्रहार जारी है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार से हर वर्ग त्रस्त है। भाजपा जनता को गुमराह करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाएगी। मंत्रिमंडल विस्तार के नाम पर जनता को धोखा देने के लिए मंत्री बनाएगी। भाजपा को हटाने के लिए सावधान रहकर राजनीति करनी है।

सपा अध्यक्ष शनिवार को विभिन्न जिलों से प्रदेश सपा मुख्यालय पर आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर विभाग में लूट मची है। यूरिया खाद से लेकर धान खरीद तक में कालाबाजारी, मुनाफाखोरी और भ्रष्टाचार है। भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था सभी को बर्बाद कर दिया है।

प्रदेश सपा मुख्यालय पर देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती सादगी से मनाई गई। अखिलेश यादव ने कहा कि भारत में महिला शिक्षा की ज्योति जलाकर महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करने वाली सावित्री बाई फुले महान

समाज सेविका भी थीं। इसके अलाव सपा अध्यक्ष ने समाजवादी पीडीए पंचांग-2026 का विमोचन किया।

इसमें पीडीए समाज के महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि के साथ राष्ट्रीय एवं ऐतिहासिक दिवसों का भी उल्लेख है।

सपा प्रमुख की घोषणा : प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल मिलेंगे 40 हजार

वर्ष 2027 में सपा की सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये देकर उनकी मदद की जाएगी। यह मदद पात्र महिलाओं के लिए होगी। उन्होंने कहा कि किसानों को फसलों की कीमत नहीं मिल रही है। दुग्ध उत्पादकों को दूध का सही दाम नहीं मिल रहा है। बिचौलिए मुनाफा कमा रहे है और उन्हें मुनाफाखोरों को सरकार का संरक्षण है। जनता को भाजपा सरकार की विफलताएं बतानी है। भाजपा सरकार हर मामले में फेल हो गई है। बजट को लेकर गुमराह नहीं होना है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी और पूर्व सांसद अरविंद कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सावित्री बाई फुले की मनाई जयंती

सपा बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी ने लखनऊ सहित पूरे प्रदेश भर में सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई। वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राम बाबू सुदर्शन ने बताया की आंबेडकर वाहिनी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने सावित्रीबाई फुले की जयंती पर कई कार्यक्रम आयोजित कर लोगो को उनके जीवन संघर्षों के बारे में बताया। जब समाज अंधविश्वास, जातिवाद और महिला उत्पीड़न की बेड़ियों में जकड़ा था, तब सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा को हथियार बनाकर बराबरी की लड़ाई शुरू की।

अबू आजमी पर भड़के विधायक रईस शेख

महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले, पार्टी के भीतर नए सिरे से अशांति फैल गई है। समाजवादी पार्टी (एसपी) के विधायक रईस शेख ने पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आज़मी की गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। शेख ने पत्र में आज़मी पर जानबूझकर उन्हें परेशान करने और पार्टी में भारी व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया है, जिससे विशेष रूप से भिवंडी और मुंबई में होने वाले आगामी नगर निगम चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर असर पड़ा है। पत्र में रईस शेख ने आरोप लगाया है कि अबू आज़मी ने भिवंडी और मुंबई नगर निगम चुनावों में मनमाने ढंग से टिकट वितरण किया है। शेख का दावा है कि आजमी पार्टी कार्यकर्ताओं और संभावित उम्मीदवारों के हितों की अनदेखी करते हुए मनमानी कर रहे हैं। विधायक के अनुसार, इस कुप्रबंधन से पार्टी सदस्यों में असंतोष पैदा हो रहा है और इन महत्वपूर्ण चुनावों में पार्टी की संभावनाएं धूमिल हो रही हैं। शेख आगे कहते हैं कि आजमी की सार्वजनिक टिप्पणियों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। खबरों के मुताबिक, वह दावा कर रहे हैं कि उन्हें कोई नहीं रोक सकता। शेख के अनुसार, जवाबदेही के बिना अहंकार और सत्ता का यह बढ़ता भाव महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के भीतर एकता और अनुशासन के लिए हानिकारक है। रईस शेख के पत्र में आज़मी के कार्यों के नगर निगम चुनावों में पार्टी की स्थिति पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है। शेख ने बताया कि आंतरिक कलह पार्टी के समन्वय और मनोबल को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है, विशेषकर भिवंडी और मुंबई के पार्टी सदस्यों के बीच।

बाड़मेर-बालोतरा सीमा का पुनर्गठन तुगलकी आदेश : अशोक गहलोत

» पूर्व सीएम बोले- भाजपा सरकार आम जनता के साथ घोर अन्याय कर रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं के पुनर्गठन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस कदम को तुगलकी आदेश करार देते हुए कहा कि यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है जो जनहित के खिलाफ है।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बायतू को बाड़मेर जिले में और गुड़ामालानी-धोरीमन्ना को बालोतरा में शामिल करने का निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से कतई तर्क संगत नहीं है। इससे गुड़ामालानी क्षेत्र की जनता के लिए जिला मुख्यालय की दूरी कम होने के

बजाय और बढ़ गई है। गहलोत ने कहा, यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने की मंशा से नए जिले बनाए थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार जनभावनाओं को दरकिनार कर केवल सियासी रोटियां सेकने में व्यस्त है। उन्होंने इस कदम की कड़े शब्दों में निंदा की।

कांग्रेस बूथ स्तर तक सामाजिक न्याय से जुड़े कार्यक्रम चलाएगी

» पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के जन्मदिन से विस चुनाव 2027 का होगा शंखनाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस यूपी में तेजी से और आक्रमकता के साथ काम करेगी। पार्टी महासचिव सांसद प्रियंका गांधी के जन्म दिन 12 जनवरी से कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग परिवर्तन प्रतिज्ञा कार्यक्र म की शुरुआत करेगा। इसके तहत सालभर प्रदेश मुख्यालय से लेकर बूथ स्तर तक सामाजिक न्याय से जुड़े अलग- अलग कार्यक्र म चलाए जाएंगे।

प्रदेश मुख्यालय पर 12 जनवरी को सांसद प्रियंका गांधी का जन्म दिन परिवर्तन प्रतिज्ञा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसी दिन सालभर चलने वाले कार्यक्रम का कलेंडर जारी किया जाएगा। समारोह में कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अनिल जयहिंद, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, प्रभारी अविनाश पांडेय सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि परिवर्तन प्रतिज्ञा कार्यक्र म के तहत पिछड़े वर्ग के भागीदारी के मुद्दे को लेकर कार्यक्र म चलाया जाएगा। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में कांग्रेस नेतृत्व का संदेश पहुंचाया जाएगा। युवाओं को समझाया जाएगा कि भाजपा सरकार पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के हक पर किस तरह से कटौती कर रही है। इसी तरह विभिन्न बाजारों में नुक्कड़ नाटक, जनसभा की जाएगी।

ग्रामीण इलाके में परिवर्तन प्रतिज्ञा संवाद, पदयात्रा, मैराथन आदि कार्यक्रम किए जाएंगे। जिला एवं मंडल स्तर पर होने वाले सम्मेलन में विभिन्न जिलों में पिछड़ों के साथ होने वाली घटनाओं की हकीकत रखी जाएगी। इन सभी कार्यक्रमों के जरिए 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जनमत इकट्ठा किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में भाजपा और आरएसएस की पिछड़ा वर्ग विरोधी नीतियों को उजागर करके लोगों को जागरुक किया जाएगा। उन्हें सही तथ्यों से वाकिफ कराते हुए सावधान किया जाएगा। सालभर पूरा होने के बाद अगले वर्ष यानी 12 जनवरी 2027 को प्रदेश स्तरीय परिवर्तन प्रतिज्ञा रैली की जाएगी।

सीएम स्टालिन ने 'पोंगल' के लिए खोला खजाना

» त्योहार पर 3,000 रुपये के नकद उपहार की घोषणा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने फसल उत्सव 'पोंगल' के अवसर राज्य के लोगों के लिए खजाना खोला है। उन्होनें चावल श्रेणी के राशन कार्ड धारकों और श्रीलंकाई तमिलों के पुनर्वास शिविरों में रहने वाले सभी परिवारों को 3,000 रुपये का नकद उपहार देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पोंगल से पहले, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) केंद्रों के माध्यम से लाभार्थियों को एक उपहार का पैकेट वितरित किया जाएगा, जिसमें एक किलो चावल, एक किलो चीनी और एक गन्ना, 3000 रुपये नकद (प्रत्येक परिवार को जिसके पास चावल कार्ड है), एक धोती और एक साड़ी शामिल होगी। कुछ दिन पहले राज्य सरकार ने कहा था कि पोंगल से पहले उपहार वितरण से 2.22 करोड़ से अधिक चावल कार्ड धारकों और श्रीलंकाई तमिलों के पुनर्वास शिविरों में रहने वाले लोगों को लाभ होगा।

पुणे का सार्थक विकास नहीं हुआ : अजित पवार

उपमुख्यमंत्री बोले- केंद्र और राज्य के भारी वित्तीय सहायता का इस्तेमाल नहीं हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दावा किया है कि पुणे को केंद्र और राज्य से भारी वित्तीय सहायता प्राप्त हुई, लेकिन स्थानीय नेता इसका इस्तेमाल शहर के सार्थक विकास के लिए करने में विफल रहे। पवार ने पुणे नगर निगम (पीएमसी) के चुनावों से पहले बनेर क्षेत्र में एक रैली में कहा कि इस ''विफलता'' ने शहर के नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना राज्य में महायुति गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन पीएमसी समेत 29 नगर निगमों में अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। पानी की आपूर्ति की

कमी, कूड़े का ढेर, सड़कों पर गड्ढे, भारी यातायात और शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि इन समस्याओं को हल करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। उन्होंने कहा, हम कोयता (दरांती) गैंग को खत्म करना चाहते हैं और शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं। केंद्र और राज्य में हम महायुति का हिस्सा हैं, लेकिन पुणे और पिंपरी चिंचवड की स्थिति अलग है। पीएमसी के प्रशासक इसके लिए जिम्मेदार हैं।'' 'कोयता गैंग' महाराष्ट्र में विशेष रूप से पुणे और लातूर जैसे शहरों में सक्रि य एक हिंसक आपराधिक गिरोह है। इसके सदस्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते समय मुख्य रूप से दरांती का इस्तेमाल करते हैं। पवार ने कहा कि वह पुणे के संरक्षक मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''नगर निगम के पास अलग शक्तियां हैं। केंद्र और राज्य ने बड़ी राशि दी है लेकिन प्रशासक असफल रहे हैं।

सियासी दल चलने लगे चाल, अब नेताओं के जुबां पर चढ़ेगा बंगाल

» टीएमसी ने कहा- फिर चौथी बार ममता सरकार
» भाजपा का दावा बनाएगी इसबार सरकार
» वाम दल व कांग्रेस भी रणनीति बनाने में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जैसे-जैसे बंगाल में विस चुनाव करीब आने आहट सुनाई दे रही है तो सियासत में भी शोर तेज हो गया है। जहां राज्य में टीएमसी सरकार बनाने का चौका लगाने की तैयारी में जुट गई हैं वहीं धीरे-धीरे बंगाल में बढ़त बनाने में लगी बीजपी इस बार सरकार बनाने के लिए हर जुगत लगा लेना चाहती है। वामदल व कांग्रेस भी पूरी रणनीति बनाने में जुटीं हैं। आने वाले समय में अब सियासी नेताओं के जुबां पर बंगाल -बंगाल रहेगा सभी उसको जीतने के लिए कोई न कोई चाल चलते रहेंगे।

कई राज्यों के साथ ही इस साल पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव होने हैं, जहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और टीएमसी के बीच है। बीजेपी बंगाल में इस बार जीत को लेकर ताबड़तोड़ तैयारियां कर रही है। वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी अपनी सत्ता बनाए रखने को लेकर जोर शोर से तैयारियों में जुटी है। भाजपा नेता अधिकारी ने मालदा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस अप्रैल में पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल बन जाएगी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव इस साल के पहले छह महीनों में होने हैं। उधर तृणमूल कांग्रेस ने अभी से पूरी तैयारी शुरू कर दी है। 2021 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की 294 सीटों में से 215 सीटें जीती थीं। सांसद अभिषेक ने निर्देश दिया है कि इस बार लक्ष्य उस परिणाम को पार करना और जीत के अंतर को और बढ़ाना है।

2024 के लोकसभा चुनावों में टीएमसी और भाजपा को मिले वोटों में 40 लाख का था अंतर

उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्य में टीएमसी और भाजपा को मिले वोटों में सिर्फ 40 लाख का अंतर था। उन्होंने आगे कहा, चल रहे एसआईआर में प्रकाशित मतदाता सूची के मसौदे से पहले ही 58 लाख नाम हटा दिए गए हैं। विपक्ष के नेता ने कहा कि मकर संक्रांति के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदा दौरे की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि टीएमसी नेताओं के विरोध के बावजूद, वक्फ (संशोधन) अधिनियम राज्य में लागू कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि ममता बनर्जी ने कहा था कि यह अधिनियम यहां लागू नहीं होगा, लेकिन इसे लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में शांति चाहती है और टीएमसी नेतृत्व पर विभाजनकारी राजनीति करने और वोटों के लिए मुसलमानों को तुष्टीकरण करने का आरोप लगाया।

चाहे जितनी यात्रा कर लें लेकिन इस बार बंगाल की जनता ने टीएमसी के विसर्जन की तैयारी कर ली है : समिक भट्टाचार्य

पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य का बयान आया है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधा है। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की यात्रा को लेकर समिक भट्टाचार्य ने कहा कि वो चाहे जितनी यात्रा कर लें लेकिन इस बार बंगाल की जनता ने टीएमसी के विसर्जन की तैयारी कर ली है। पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष ने कहा कि इस बार बंगाल में बीजेपी और टीएमसी की लड़ाई नहीं है बल्कि इस बार जनता और टीएमसी के बीच लड़ाई है और इसमें जनता की ही जीत होगी।

टीएमसी विपक्ष में बैठेगी : सुवेंदु अधिकारी

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस विपक्ष में होगी। उन्होंने यह भी कहा कि चल रही एसआईआर प्रक्रिया चुनावों के नतीजों का संकेत है। उन्होंने वादा किया कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है तो वह जनता के लिए बेहतर

कल्याणकारी योजनाएं लाएंगी। उन्होंने कहा कि टीएमसी यह झूठ फैला रही है कि ममता बनर्जी सरकार की महिलाओं को आर्थिक सहायता देने वाली लोकखीर भंडार योजना को भाजपा बंद कर देगी। अधिकारी ने मालदा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस अप्रैल में पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल बन जाएगी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव इस साल के पहले छह महीनों में होने हैं।

बीजेपी की वजह से बंगाल की गरिमा और अधिकारों को ठेस पहुंची

तृणमूल का दावा है कि बीजेपी की वजह से बंगाल की गरिमा और अधिकारों को ठेस पहुंची है। अभिषेक की भूमिका बहुआयामी हो जाती है। वे आशा के सूत्रधार होने के साथ-साथ बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक और उसकी अनूठी पहचान के रक्षक भी हैं। अभिषेक अपनी यात्रा के जरिए न केवल तृणमूल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का बखान नहीं करेंगे, बल्कि उस एकजुटता की भावना को एकजुट करेंगे जो ऐतिहासिक रूप से बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य की विशेषता रही है। अपनी पिछली नबो जोआर यात्रा (नई लहर यात्रा) की सफलताओं से प्रेरणा लेते हुए, जिसने 2023 के पंचायत चुनावों से पहले समर्थन जुटाया था, वे रणनीतिक रूप से अपने वर्तमान अभियान को नवीनीकरण और पुनरुत्थान की व्यापक कहानी से जोड़ते हैं। एक ऐसे राज्य में जो हमेशा राजनीतिक षड्यंत्रों के घेरे में रहता है, अभिषेक प्रामाणिकता के प्रतीक के रूप में उभरने की कोशिश कर रहे हैं, जो भाजपा द्वारा प्रचारित तेजी से अलगाववादी राष्ट्रीय आख्यान के बिल्कुल विपरीत है।

टीएमसी केंद्र सरकार पर धनराशि न देने के झूठे आरोप लगा रही

अधिकारी ने कहा कि भाजपा बंगाल को गुजरात की तरह उद्योग और उत्तर प्रदेश एवं बिहार की तरह सुशासन देने की बात करती है। अधिकारी ने दावा किया कि टीएमसी केंद्र सरकार पर आवास और एमएनआरईजीए योजनाओं के लिए राज्य को धनराशि न देने के झूठे आरोप लगा रही है और कहा कि इन योजनाओं के लिए दी गई धनराशि अनधिकृत लाभार्थियों द्वारा लूट ली गई है।

बढ़ता जा रहा है अभिषेक बनर्जी का कद

अभिषेक बनर्जी का उदय जितना उनके वंश (ममता बनर्जी के भाईपो (भतीजे) होने) से जुड़ा है, उतना ही उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा की व्यक्तिगत खोज से भी। उनके शुरुआती अभियानों में उन्होंने एक विशिष्ट व्यक्तित्व विकसित किया है; उन्हें अक्सर ममता का दाहिना हाथ माना जाता है, लेकिन अब वे पार्टी के भीतर एक ऐसा महत्वपूर्ण स्थान बना रहे हैं जिसे कई लोग निर्णायक मानते हैं। लोकसभा में तृणमूल के नेता के रूप में उनका हालिया चयन विश्वास मत का संकेत है, जो उनके वर्तमान प्रयासों के अनुरूप है। पार्टी के आंतरिक समीकरणों को संभालने की बनर्जी की क्षमता, विशेष रूप से पुराने नेताओं के साथ मतभेद के क्षणों में, उनकी सत्ता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों के लिए उनके चयन - जैसे कि पहले कभी न परखे गए चेहरों को मैदान में उतारने का साहसिक निर्णय - न केवल रणनीतिक कुशलता को दर्शाता है, बल्कि राजनीतिक अपेक्षाओं को फिर से परिभाषित करने की उनकी तत्परता को भी प्रदर्शित करता है।

अभिषेक बनर्जी ने शुरू की यात्रा

तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने संगठन की नींव को और मजबूत करने के लिए अपनी यात्रा की शुरुआत की है। अभिषेक बनर्जी 2 जनवरी को बारुईपुर, 3 जनवरी को जलपाईगुड़ी, 4 जनवरी को बीरभूम, 5 जनवरी को बिष्णुपुर, 7 जनवरी को इटाहार, 8 जनवरी को मालदा, 13 जनवरी को कूच बिहार और 15 जनवरी को कांथी जाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव अगले साल अप्रैल के आसपास होंगे। इसलिए तृणमूल कांग्रेस ने अभी से पूरी तैयारी शुरू कर दी है। 2021 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की 294 सीटों में से 215 सीटें जीती थीं। सांसद अभिषेक ने निर्देश दिया है कि इस बार लक्ष्य उस परिणाम को पार करना और जीत के अंतर को और बढ़ाना है।

मुस्लिम बाहुल्य सीटों को लेकर बोले भट्टाचार्य

ममता सरकार पर निशाना साधते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हम मुस्लिमों से पूछना चाहते हैं कि ममता बनर्जी ने आपको क्या दिया। ईद पर आकर ममता बनर्जी बीजेपी को गाली देंगी और बाबरी मस्जिद की नींव डालेगी लेकिन आपकी नौकरी के लिए क्या किया। बीजेपी नेता समिक भट्टाचार्य ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल में मुस्लिम मर रहे हैं और उन्हें मुस्लिम ही मार रहे हैं। राज्य में मुसलमानों की हालत खराब है। बीसीसीआई द्वारा केकेआर से बांग्लादेशी प्लेयर को रिलीज करने के मामले पर उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की हालत क्या है सबके सामने है। वहां हिंदुओं को मारा जा रहा है। इंदिरा गांधी का भी पुतला जला दिया, जिन्होंने बांग्लादेश बनाया. सत्यजीत रे का घर जला दिया गया। अब ऐसे में बांग्लादेशी लोगों को तो सोचना होगा। जब हालात ठीक नहीं होंगे तो विवाद तो होगा ही, बांग्लादेश पाकिस्तान के साथ हो गया है, वो भूल गए हैं कि अतीत में कितने बांग्लादेशियों को मारा गया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एआई के नुकसान पर दुनिया में चर्चा शुरू

जबसे एआई का चलन बढ़ा है तबसे उसके नुकसान भी सामने आने लग हैं। सबसें ज्यादा उसका इस्तेमाल महिलाओं सें संबंधित अश्लील सामग्री के लिए हो रहा है अब इसके विरोध में भारत से लेकर दुनिया में होने लगा है। उधर भारत के किशोरों में मोबाइल व उसपर गेम खेलने चलन या कह सकते है लत भी बढ़ती जा रही है। सबसे बड़ी बात ये जानलेवा बनता जा रहा है। मोबाइल पर ज्यादा समय देने की वजह से ये किशोर समाज व परिवार से दूर होते जा रहें हैं जिसकी वजह से जब ये सोशल मीडिया से दूर होते हैं तो डिप्रेशन में चले जाते हैं इसकी परिणती आत्मदाह के रूप में सामने आता है। अभी हाल में एम्स की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि न करने के कारण किशोरों में मांसपेशी और हड्डी संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। पारंपरिक आदतें जैसे उकडू बैठना, पालथी मारकर भोजन करना या नंगे पैर चलना, जो शरीर को लचीला रखती थीं। मौजूदा समय में यह पीछे छूट गई हैं।

इसके बजाय, बच्चे और किशोर घंटों झुककर मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर समय बिता रहे हैं, जबकि स्कूल में छह से सात घंटे की निरंतर बैठकी और व्यायाम की कमी से पोस्चर विकार उत्पन्न हो रहे हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है। अध्ययन के आधार पर विशेषज्ञों ने स्कूली पाठ्यक्रम में फिजियोथेरेपी को शामिल करने की सलाह दी है, ताकि किशोरों के स्वास्थ्य को सुधारा जा सके और चोटों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। एम्स ने अक्तूबर 2023 से दिल्ली के दो निजी स्कूलों के 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 380 छात्रों पर नजर रखी गई। इस दौरान उनकी दिनचर्या, बैठने की आदतों और स्वास्थ्य पर गहन विश्लेषण किया गया। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश किशोरों में पोस्चर संबंधी समस्याएं जैसे आगे की ओर झुकना, गर्दन और कंधों में दर्द, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, इलियोटिबियल बैंड की जकड़न, सपाट पैर और हैमस्ट्रिंग की कठोरता जैसी शिकायतें आम हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक गतिविधियां जैसे स्ट्रेचिंग से पहले खेलना या फर्श पर बैठना शरीर के लचीलापन को बनाए रखती हैं, लेकिन आजकल की जीवनशैली इनसे दूर कर रही है।

मोबाइल पर ज्यादा समय देने की वजह से ये किशोर समाज व परिवार से दूर होते जा रहें हैं जिसकी वजह से जब ये सोशल मीडिया से दूर होते हैं तो डिप्रेशन में चले जाते हैं इसकी परिणती आत्मदाह के रू प में सामने आता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आपदाओं से उबरने की क्षमता में वृद्धि जरूरी

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

गर्म होती धरा, उससे उपजते वैश्विक जलवायु बदलाव व आपदाएं आकस्मिक व अतिशय घातक होते जा रहे हैं। कृषि, परिवहन, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण संरचना जैसे क्षेत्रों में इनका प्रतिगामी असर जैविक व भौतिक दोनों पर पड़ा है। इससे बना-बनाया ध्वस्त भी हो जाता है। फिर से सब कुछ सहेजना मुश्किल होता है। आकस्मिक आपदाओं की निरंतरता के बीच हर क्षेत्र में क्लाइमेट रेजिलियंस बढ़ाने का मुद्दा केन्द्र में आ गया है। मध्य हिमालय में जलवायु बदलाव के दो-तीन बड़े असर जाड़ों में भी वनों में आग, बादल विस्फोट, ग्लेशियर टूटने, ग्लेशियर झीलें बनने व ग्लेशियर पीछे खिसकने तथा अपनी मोटाई खोने के रूप में दिखते हैं। हिमस्खलन, भूस्खलन व दावानल की घटनायें बढ़ी हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष भी बढ़े हैं। सालों से ऐसा हो रहा है कि एक आपदा के बाद संभल नहीं पाते, दूसरी आ जाती है।

उत्तराखंड 2025 में भी भारी आपदाग्रस्त रहा। इनसे हुई क्षति की आपूर्ति तो दूर की बात, अभी कहीं-कहीं बीते दशक की आपदाओं में क्षतिग्रस्त कई पुल व सड़कें भी अब तक नहीं बनाई जा सकी हैं। जरूरी है जल्दी से जल्दी सब कुछ सामान्य हो। उत्तराखंड व हिमाचल जैसे राज्यों को क्लाइमेट रेजिलियंस पर काम करने की आवश्यकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में देहरादून में बीते 13 व 14 अक्टूबर को 'उत्तराखंड में जलवायु बदलाव रेजिलियंस पर मिलजुल कर कार्यवाही - राष्ट्रीय विचार विमर्श' आयोजित किया गया था। सहमति के बिंदुओं पर आगे बढ़ने की रणनीति तैयार की जा रही है। क्लाइमेट रेजिलियंस किसी भी प्रणाली व जैविक-अजैविक एकांशों की वह क्षमता है जिससे जलवायु बदलाव प्रेरित अतिवृष्टि, अतिताप, अतिशीत अति बवंडर व समुद्री तूफानों की घटनाओं के आघातों-व्यवधानों से उबरकर वह पहले जैसी भूमिका निर्वहन में सक्षम हो जाता है। विकास की निरंतरता के लिये खेती, जलापूर्ति, सीवरेज प्रणाली, सड़कों, परिवहन, भवन, पुल, संचार, स्वास्थ्य सुविधाओं के बुनियादी ढांचे क्लाइमेट रेजिलियंट होने चाहिये।

खेती क्लाइमेट रेजिलियंट होगी तो किसान की आय व खाद्य सुरक्षा में अनिश्चितता कम होगी। सीवरेज व पेयजल व्यवस्था क्लाइमेट रेजिलियंट होंगे तो स्वास्थ्य समस्याएं कम होंगी। ऐसी ही समस्या है सेनिटेशन सततता की। अतिशय बारिश, भूस्खलन, बाढ़ व सूखे जैसी जलवायु आपदायें

सेनिटेशन प्रणालियों पर गंभीर असर डाल रही हैं। ऐसे में शौचमुक्त क्षेत्रों में फिर खुले में शौच होना शुरू हो जाता है। आपदाओं में शौचालय प्रणालियों को अबाधित बनाये रखने के लिये यूनीसेफ अपने वाश स्टाफ को जलवायु बदलाव अनुकूलन रणनीति पर प्रशिक्षण दे रहा है। आजकल ई-गवर्नेंस व ई-बैंकिंग के साथ उद्योग, व्यवसाय, बैंकिंग व प्रशासकीय व्यवस्थाएं जुड़ी हैं तो क्लाइमेट रेजिलियंसी के मानक ये भी हैं कि बाढ़ आदि आपदा में यदि डाटा क्षतिग्रस्त हो जाएं तो उसकी रिकवरी यथाशीघ्र हो जाये। क्लाइमेट रेजिलियंस आपदा के बाद की स्थिति का विवेचन है। आघात से उबरने में लगने वाले समय का आकलन है। यदि हम प्रोएक्टिव हों तो पूर्व चेतावनियों से आपदाओं के जोखिम कम कर सकते हैं जैसे बाढ़ या चक्रवाती तूफानों में लोगों को तटों से हटा सकते हैं। ग्लेशियर टूटने या उनमें झील बनने की संभावनाओं की मॉनिटरिंग संभव है। प्रकृति पर भी जलवायु बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग और मौसमी अतिरेकों व अनिश्चितताओं के कुप्रभाव कम नहीं हैं। प्राकृतिक घटकों की रेजिलियंस पर भी फोकस की जरूरत है। प्रकृति की मदद करेंगे तो प्रकृति क्लाइमेट रेजिलियंस पाने में मदद करेगी। किन्तु पूरे विश्व में ही प्राकृतिक संसाधनों की रेजिलियंस में मानवीय कृत्यों से कमी आई है। थोड़ी-थोड़ी दूरी पर बड़े-छोटे बांध बनाकर अथवा सुरंगों में डाल कर उनके फ्लड प्लेनों पर निर्माण व अन्य अतिक्रमण कर उनके बहावों व फैलावों से नदियों को मिलने वाली रेजिलियंस क्षीण की। बेतरतीब कटान से पहाड़ी ढलानों से भूस्खलनों के जोखिम बढ़ाये। ग्लेशियरों की रेजिलियंस खत्म की उनके निकट तक भारी निर्माण व सड़क बनाकर।

वहीं वायु मार्ग में भारी ट्रैफिक के प्रदूषण व कम्पन से। वनों की रेजिलियंस खत्म की आग, प्रदूषण, वन कटान से। जमीन की रेजिलियंस कम की ढलान खत्म करके। खेती की रेजिलियंस नष्ट की लैब निर्मित बीजों व रासायनिक खादों से। क्लाइमेट रेजिलियंस विधिक, पर्यावरणीय व लैंगिक न्याय से भी जुड़ा विषय है क्योंकि जिनकी आपदा लाने में ना के बराबर भूमिका होती है वे भी इसका दंश झेलते हैं। यह अन्याय ही तो है कि उत्तराखंड के ग्रामीणों की गुहारों को नजरअंदाज किया। मसलन- उनके गांवों के नीचे सड़क या टनल बनाने के लिए बारूद विस्फोट न करें।

आस्था कोई भी हो मगर इंसान अच्छा हो

विश्वनाथ सचदेव

लगभग दो दशक पुरानी बात होगी। हमारे समय के एक महत्वपूर्ण संगीतकार खैयाम साहब के साथ कुछ समय बिताने का अवसर मिला था। दूरदर्शन पर एक कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के बाद लौट रहे थे हम। उस कार्यक्रम में जो वे नहीं कह पाये थे, वही सब बता रहे थे वे। मेरी भूमिका तो सिर्फ श्रोता की थी। अचानक वह बोलते-बोलते रुक गये। कार की खिड़की से दायीं ओर देख रहे थे वे। उनके दोनों हाथ जुड़ गये थे। सिर झुक गया था उनका। मैंने देखा हमारी कार मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजर रही थी। 'आपके धर्म में तो मूर्तिपूजा मना है,' मैंने अनायास ही जैसे उनसे पूछ लिया। वे मुस्कुराये, 'आदत है,' उन्होंने कहा। और फिर इसके बाद हम हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर बात करने लग गये थे। आज जब मैं यह लिख रहा हूं, अचानक मुझे खैयाम की यह बात याद आ गयी। इसके साथ ही एक और बात भी याद आ रही है। मेरी बेटी कान्वेंट स्कूल में पढ़ी हुई है।

स्कूल छोड़े उसे दशकों बीत गये। पर अब भी जब वह अपने बचपन के स्कूल के सामने से गुजरती है तो अनायास उसके हाथ 'क्रॉस' बनाने की मुद्रा में हरकत करने लगते हैं। और अपनी बात करूं- मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारे के सामने से गुजरते हुए मेरा सर भी, जैसे अपने आप झुक जाता है। और मैं यह भी जानता हूं कि पूजागृहों के प्रति यह रवैया सिर्फ खैयाम, मेरी बेटी, या मेरा ही नहीं है- हम जैसे न जाने कितने हैं जो ऐसा करते हैं। और यह सब अनायास हो जाता है। लेकिन कैसे? इस सवाल का जवाब तो यही है कि ऐसा करने के लिए किसी ने हमें कहा नहीं। मैंने अपनी बेटी से यह कभी नहीं कहा कि वह ऐसा किया करे। आप चाहें तो इसे संस्कारों का परिणाम कह सकते हैं। यह तो संभव है कि मैंने बेटी से कभी यह कहा हो कि सब धर्म समान होते हैं, पर मुझे याद नहीं पड़ता मैंने कभी उसे समान मानने के लिए भी कहा हो। कम से कम मेरी तरफ से ऐसा कोई दबाव बच्चों पर नहीं डाला गया। मेरे माता-पिता ने भी कभी ऐसा कोई दबाव हम भाई-बहनों पर नहीं डाला।

उस दिन सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजरते हुए खैयाम साहब का अनजाने में ही सिर झुकाना भी किसी दबाव का परिणाम नहीं था। उन्होंने बताया था कि वे न जाने कब से ऐसा करते आ रहे हैं, और यह भी बताया था उन्होंने कि 'पूजागृह के सामने सिर झुकाता हूं तो ऐसा लगता है जैसे कोई आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर धरा गया है।' सच है, आशीर्वाद का यह अहसास मंदिर, मस्जिद, चर्च, या गुरुद्वारा, सब देते हैं। और सब धर्मों का आदर करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। सर्व धर्म समभाव की संस्कृति है हमारी। हमारा धर्म, यानी हिंदू धर्म, हमें यह सिखाता है कि चाहे ईश्वर कहें या खुदा, गॉड कहें या एक ओंकार, अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं, पर पहुंचते सभी एक ही जगह हैं-पहुंचाते सभी एक ही जगह हैं हमें यह अलग-अलग रास्ते! जैन धर्म का एक सिद्धांत है- अनेकांत वाद। यह विचार हमें समझाता है कि मैं सही हूं, पर तुम भी सही हो सकते हो।

इतनी-सी बात यदि हम समझ लेते हैं तो फिर कोई विवाद बचता ही नहीं है। ईश्वर एक है फिर मेरा ईश्वर तुम्हारे ईश्वर से भिन्न या बेहतर कैसे हो सकता है? बस इतनी-सी बात समझने की आवश्यकता है कि हमारा अलग-अलग धर्म का होना एक संयोग मात्र है। मैं किसी एक धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में पैदा हुआ इसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। मेरे माता-पिता हिंदू थे, इसलिए मैं भी हिंदू हो गया, वे मुसलमान होते तो मैं आरती की जगह नमाज पढ़ रहा होता। इस संदर्भ में मेरी कोई भूमिका हो सकती है तो वह यही है कि यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें। यहीं गड़बड़ हो रही है। हम अपनी आस्था की चिंता तो करते हैं पर दूसरे की आस्था को कुछ नहीं समझते। इसी का परिणाम है कि आज पंथ-निरपेक्षता में विश्वास करने वाले हमारे भारत में धर्म के नाम पर आये दिन झगड़े-फसाद होते रहते हैं। हमारा संविधान हर भारतीय को अपनी आस्था के अनुसार धार्मिक क्रिया-कलाप की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। यही नहीं, हमारा संविधान हमें अपनी आस्था अपने धर्म के प्रचार-प्रसार का भी अधिकार देता है।

शर्त सिर्फ यह है कि कोई नागरिक अपने अधिकार की सीमाओं को न लांघे। ये सीमाएं भी परिभाषित हैं हमारे संविधान में- सब नागरिक समान हैं, कोई नागरिक किसी दूसरे को अपने धर्म की ओर आकृष्ट करने के लिए किसी प्रकार का लालच अथवा दबाव काम में नहीं ले सकता। पर अक्सर हम अपनी सीमाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं-और इसके लिए दोषी दूसरे को ठहराते हैं। धर्म के नाम पर आज जो गड़बड़ियां हो रही हैं, वे इसी अतिक्रमण का परिणाम हैं। ऐसे ही अतिक्रमण का उदाहरण इस बार क्रिसमस के अवसर पर दिखा। देश के अलग-अलग हिस्सों में चर्चों पर, ईसाइयों पर दुर्भाग्यपूर्ण प्रतिक्रिया हुई। दंगा करने वाले को यह भी स्वीकार नहीं था कि सांताक्लाज की टोपियां बेचकर कोई अपना पेट भरने के लिए कुछ कमा ले। हद तो यह भी हुई कि चर्चों के सामने जाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया! क्रिसमस के आयोजनों के संदर्भ में हुए विवाद और झगड़े हैरान भी करते हैं और दुखी भी। एक ओर तो हमारे प्रधानमंत्री क्रिसमस के अवसर पर चर्च में जाकर ईसाइयों की पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं।

सर्दियों में करें ये योगासन

स्वस्थ्य रहेगा शरीर

सर्दियों की ठिठुरन भरी सुबह में अक्सर लोगों को उठने में आलस आता है। इस आलस के चलते दिनभर शरीर और मन थका-थका महसूस करता है। सर्द हवा बदन में घुसते ही सुस्ती, जकड़न और खांसी-जुकाम दस्तक देने लगते हैं। इस मौसम में शरीर को ऊर्जावान रखना चुनौती होता है लेकिन योग इसका सबसे सटीक समाधान है। सर्दियों में योगासनों के अभ्यास की आदत बना लें। सर्दियों में शरीर को तैयार करना समय पर ढाल बनाना है। जो लोग योग को रूटीन में शामिल करते हैं, उनकी इम्युनिटी मजबूत, मन शांत और शरीर एक्टिव रहता है। शरीर को एक्टिव और मन को शांत करने में मदद मिलेगी। सुबह की ठंडी हवा में 10-15 मिनट का योगाभ्यास पूरे मौसम में आपको रोगमुक्त रख सकता है। अपने दिनचर्या में योगासनों को शामिल करके शरीर के लिए कवच तैयार करें। ये योगासन आंतरिक गर्मी उत्पन्न करने और रक्त संचार में सुधार करने में मदद करते हैं। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। मांसपेशियों को पूरी तरह से सक्रिय करने और ध्यान केंद्रित करने में भी सहायक होते हैं।

शीर्षासन

इस आसान को सर्दी के मौसम में करने से आपको गर्माहट के साथ मजबूती मिलेगी है। इसे करने से दिनभर एक्टिव महसूस करेंगे। खास बात ये है कि यह दिमाग को शांत कर पूरे शरीर को मजबूत बनाता है। शीर्षासन में शरीर को सिर के बल संतुलित किया जाता है और पैरों को ऊपर की ओर सीधा रखा जाता है। यह एक उन्नत योगासन है, जिसे करने के लिए संतुलन, ताकत और ध्यान की आवश्यकता होती है। इसे करने से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बढ़ता है जिससे एनर्जी और अलर्टनेस में सुधार होता है। लेकिन सभी योगासन हर व्यक्ति के लिए नहीं होते और शीर्षासन भी उन्हीं में से एक है।

नौकासन

सर्दियों में यह आसन करने से शरीर और दिमाग के बीच में बैलेंस बनता है। इतना ही नहीं ठंड के दिनों में यह आपको वॉर्म रखता है। साथ ही शरीर के एलाइनमेंट में सुधार करता है। नौकासन के अभ्यास के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को सीधा फैलाएं और साथ रखें। दोनों हाथों को शरीर के बगल में सीधा रखते हुए गहरी सांस लें। अब सांस छोड़ते हुए छाती और पैरों को जमीन से ऊपर हवा में उठाएं। अपनी बाहों को पैरों की ओर जितना संभव हो खींचे। ध्यान रहें कि इस दौरान आंखें, उंगलियों और पैर की उंगलियां एक सीध में ही होनी चाहिए। इस अवस्था के दौरान पेट की मांसपेशियों के सिकुड़न पर नाभि क्षेत्र में तनाव महसूस होगा। अब इसी मुद्रा में रहते हुए आराम से गहरी सांस लेते रहें। कुछ देर नौकासन की स्थिति में रहें, फिर पहली वाली सामान्य अवस्था में आ जाएं।

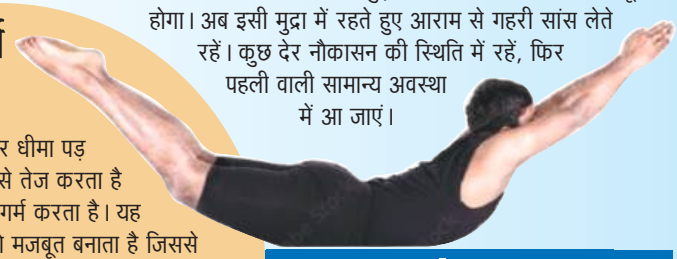

सूर्य नमस्कार

इस मौसम में रक्त संचार धीमा पड़ जाता है, सूर्य नमस्कार उसे तेज करता है और शरीर को भीतर से गर्म करता है। यह थायरॉइड और इम्युनिटी को मजबूत बनाता है जिससे सर्दियों वाली थकान, सुस्ती और बीमारियाँ दूर रहती हैं। 12 चरणों वाला यह आसन कैलोरी बर्न और हार्मोन बैलेंस में भी प्रभावी है। सुबह की हल्की धूप में इसका अभ्यास विटामिन डी के साथ बेहद लाभकारी होता है। सूर्य नमस्कार का अभ्यास खुले स्थान पर 5 चक्र से शुरू कर करें और धीरे-धीरे बढ़ाएं। 15 चक्र तक नियमित रूप से करें।

त्रिकोणासन

सुबह के समय यह आसन करने से कोर मसल्स एक्टिवेट होते हैं। इसके साथ ही तन-मन में संतुलन और स्थिरता लाने में मदद करता है। रीढ़ को लचीला बनाने में सहायक है। आप स्ट्रेस और चिंता विकृति को कम कर सकते हैं। यह योग आपकी नींद में सुधार करके आपके मूड को बेहतर कर सकता है।

वृक्षासन

ठंड में यह आसन आप सुबह कर सकते हैं। इसमें एक पैर पर खड़े होकर संतुलन बनाना होता है। इससे शरीर और मन दोनों को स्थिरता आती है। फोकस बढ़ाता है। तनाव कम होता है। दिनभर एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। पैर, टखनों, जांघों, पिंडलियों और घुटनों की मांसपेशियां मजबूत होती है। रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। वृक्षासन के नियमित अभ्यास से दिमाग को स्वस्थ और संतुलित रखने में मदद मिलती है।

भुजंगासन

ठंड में मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं। भुजंगासन रीढ़ और पीठ को सक्रिय रखता है। यह श्वसन तंत्र को खोलता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है। ठंड में सांस से जुड़ी समस्याएं कम होती हैं। लगातार बैठकर काम करने वालों में जमने वाला दर्द और स्टिफनेस इससे कम होती है। इसके अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर, हथेलियों को कंधों के पास टिकाएं और धीरे-धीरे ऊपर उठें। 30 सेकंड रुककर तीन से पांच बार इसे दोहराएं। किडनी की कार्यक्षमता सुधारने के लिए भी भुजंगासन का अभ्यास बहुत फायदेमंद माना जाता है।

हंसना मना है

भाई ने रसोई में गैस पर कूकर चढ़ा सेल्फी वाली पोस्ट डाली की और लिखा बीवी मायके गयी है और मुझे चाय बनानी है, कुकर में कितनी सिटी लगाऊं? किसी ने कहा-कुकर में ऑलरेडी एक सीटी लगी है और कितनी लगाएगा, किसी ने कहा बेवकूफ चाय कुकर में थोड़ी बनती है कड़ाही चढा, एक बोला- पहले दो घण्टे चाय पत्ती भिगो ले, दो तीन सीटी में काम चल जाएगा, किसी ने सुझाया खिड़की पर जाके एक सीटी बजा, पड़ौसन दे जाएगी?

जेलर- सुना है की तुम शायर हो कुछ सुनाओ यार, कैदी- पेश करता हूं साहेब, गम ए उल्फत में जो जिन्दगी कटी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिन्दगी खतम तुम्हारी, जेलर- अरे बंसी वो डंडे में तेल लगा कर लाना, ये अभी तक नहीं सुधरा है।

एक आदमी नदी में डूब रहा था। वो जोर-जोर से चिल्लाया-गणेश जी बचाओ, गणेश जी बचाओ, गणेश जी आए और नदी किनारे नाचने लगे। आदमी-प्रभु आप नाच क्यों रहे हो? मुझे बचाओ, गणेश जी मुस्कुराते हुए बोले-तू भी तो मेरे विसर्जन में बहुत नाच रहा था!

कहानी | दो सांप

एक नगर में देवशक्ति नामक राजा रहा करता था। उसके पुत्र के पेट में एक सांप ने डेरा जमा लिया था। जिससे राजकुमार कमजोर होता जा रहा था। राजा ने कई प्रसिद्ध वैद से उपचार कराया, लेकिन कोई सुधार नजर नहीं आ रहा था। एक दिन राजकुमार दूसरे राज्य में चला गया और मंदिर में भिखारी की तरह रहने लगा। उस राज्य में बलि नामक राजा राज करता था। उसकी दो जवान बेटियां थीं। दोनों रोज सुबह अपने पिता का आशीर्वाद लेने जाती थीं। एक बेटी ने राजा को प्रणाम करते हुए कहा महाराज की जय हो, आपकी कृपा से ही संसार में सब सुखी हैं। वहीं दूसरी बेटी ने कहा महाराजा, ईश्वर आपको आपके कर्मों का फल दे। यह सुनकर राजा क्रोधित हो जाता है और आदेश देता है इस लड़की की शादी किसी गरीब लड़के के साथ कर दो, ताकि ये अपने कर्मों का फल स्वयं चख ले। आदेश के चलते मंत्री मंदिर के पास बैठे भिखारी से उसकी शादी कर देते हैं। वह भिखारी वही राजकुमार था, राजकुमारी उसे ही अपना पति मानकर सेवा करने लगती है। कुछ दिन बाद दोनों दूसरे देश की यात्रा पर निकल जाते हैं, सफर के दौरान रास्ते में राजकुमार थक जाता है और एक पेड़ के नीचे विश्राम करने लगता है। राजकुमारी पास के गांव से भोजन लाने के लिए चली जाती है। जब वह वापस आती है, तो सोए हुए पति के मुंह से एक सांप को निकलते देखती है। साथ ही पास के एक बिल से भी सांप निकलता है। दोनों सांप बात करने लगते हैं, जिसे छिपकर राजकुमारी सुन लेती है। एक सांप कहता है तुम इस राजकुमार के पेट में रहकर इसे तकलीफ क्यों दे रहे हो। अगर किसी ने राजकुमार को जीरा और सरसों का सूप पिला दिया, तो तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। फिर राजकुमार के मुंह से निकला सांप कहता है तुम इस बिल में रखे सोने के घड़ों की रक्षा क्यों करते हैं, जो तुम्हारे किसी काम के नहीं हैं। अगर किसी को इन घड़ों के बारे में पता चल गया, तो वो बिल में गर्म पानी या गर्म तेल डालकर तुम्हारी जान ले लेगा। थोड़ी देर बाद दोनों सांप अपनी-अपनी जगह वापस चले जाते हैं, इस तरह राजकुमारी पहले राजकुमार को जीरा और सरसों का सूप पिला देती है। इसके कुछ समय बाद राजकुमार ठीक होने लगता है। फिर बिल में गर्म पानी और तेल डाल देती है, जिससे दूसरे सांप की भी मृत्यु हो जाती है। इसके बाद बिल में रखे सोने से भरे घड़े को बाहर निकालकर दोनों अपने शहर लौट जाते हैं। राजा देवशक्ति अपने बेटे और उसकी पत्नी का धूमधाम से स्वागत करता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा।

वृषभ कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें।

कर्क स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएंगे।

सिंह मेहनत अधिक होगी। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी।

कन्या मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी।

तुला पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छे समाचार मिलेंगे। विवाद से बचें। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा। रुका पैसा प्राप्त होगा।

वृश्चिक व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा।

धनु अप्रत्याशित खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी।

मकर यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी।

कुम्भ कार्यस्थल पर सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। धनार्जन होगा। आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी।

मीन पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें।

एक बार फिर बैंड बाजा बारात लेकर आ रहे हैं अनुष्का संग रणवीर सिंह

बॉलीवुड में बड़ी स्क्रीन पर कुछ जोड़ियां ऐसी होती है जिन्हें साथ में काफी पसंद किया जाता है। ऐसी ही एक जोड़ी है रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की, जिन्होंने बैंड बाजा बारात और दिल धड़कने दो जैसी फिल्मों में एक साथ काम किया है। अब ये जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है लेकिन मामले में थोड़ा ट्विस्ट है।

दरअसल ये जोड़ी एक बार फिर फैंस को एंटरटेन करते हुए नजर आएगी लेकिन ये कोई नई फिल्म में नहीं बल्कि पुरानी फिल्म में ही नजर आएंगे। अब इन दिनों री-रिलीज फिल्मों का ट्रेंड जोर पकड़ रहा है और अब इस कड़ी में रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की सुपरहिट रोमांटिक फिल्म 'बैंड बाजा बारात' का नाम भी जुड़ गया है। ये फिल्म एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में लौट रही है। इस फिल्म ने न सिर्फ रणवीर सिंह को बॉलीवुड में पहचान दिलाई थी, बल्कि अनुष्का के साथ उनकी जोड़ी को भी काफी पसंद किया गया था।

साल 2010 में रिलीज हुई यह फिल्म अब करीब 16 साल बाद फिर से थिएटर्स में दिखाई जाएगी। मेकर्स ने इसकी री-रिलीज डेट 16 जनवरी 2026 तय की है। इस खबर के सामने आते ही फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। खासकर उन दर्शकों के लिए यह एक खास मौका है, जिन्होंने पहली बार इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखा था या जो नई पीढ़ी के दर्शक हैं। 'बैंड बाजा बारात' की कहानी दो युवा और महत्वाकांक्षी लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दिल्ली की चकाचौंध भरी जिंदगी में लोगों की शादी कराने के लिए निकलते हैं। दोनों वेडिंग प्लानर्स बनकर एक दूसरे के साथ टीम बनाते हैं। फिल्म में दोस्ती, प्यार, महत्वाकांक्षा और टकराव को बेहद हल्के-फुल्के लेकिन असरदार तरीके से दिखाया गया है। यही वजह है कि फिल्म आज भी दर्शकों को उतनी ही ताजा लगती है, जितनी अपनी पहली रिलीज के समय लगी थी। रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की जोड़ी को इस फिल्म से जबरदस्त लोकप्रियता मिली थी। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री, डायलॉग्स और किरदारों की सादगी ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे सिद्धांत और प्रतिभा

फिल्म 'गली बॉय' से सुर्खियों में आए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वी शांताराम' को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, इस बीच पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ये चर्चा तेज है कि सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ विजय देवरकोंडा की फिल्म 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। दोनों स्टार्स की कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं फैलने लगीं। अब दोनों स्टार्स ने खुद इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सभी तरह की चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सबसे पहले इन अफवाहों पर अपना रुख स्पष्ट किया। 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की खबरों को खारिज करते हुए सिद्धांत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी में अभिनेता ने लिखा, 'दोस्तों, मैं स्पष्ट कर दूं कि यह सच नहीं है। अब मेरे लिए कोई रीमेक नहीं, हालांकि मैं मूल फिल्म और अभिनेताओं का प्रशंसक हूं, बहुत सारा प्यार और सम्मान। धन्यवाद।' इस स्टोरी के जरिए सिद्धांत ने इन खबरों पर तो विराम लगाया ही, साथ ही ये भी स्पष्ट कर दिया कि वो फिलहाल अब किसी भी रीमेक फिल्म में काम नहीं करना चाहते। हालांकि, सिद्धांत ने इस दौरान प्रतिभा रांटा के साथ काम करने की इच्छा भी जताई। अपनी स्टोरी में उन्होंने आगे लिखा, 'मैं बेहद प्रतिभाशाली प्रतिभा रांटा के साथ किसी ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करना चाहूंगा, जो नई कहानी हो। इसका बेसब्री से इंतजार है।' जाहिर है कि सिद्धांत किसी रीमेक की बजाय एक नई कहानी पर काम करना चाहते हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी की तरह ही प्रतिभा रांटा ने भी 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड पुरानी चीजों को नए तरीके से पेश कर रहा : टिस्का चोपड़ा

टिस्का चोपड़ा ने साल 2025 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' का निर्देशन किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और फिल्म को मिले-जुले रिएक्शन हासिल हुए थे। अब टिस्का का ऐसा मानना है कि बॉलीवुड में क्रिएटिव नजरिए से रिस्क लेने से मेकर्स काफी घबराते हैं और वो राइटिंग पर कम ध्यान देते हैं। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान टिस्का चोपड़ा ने बॉलीवुड में होने वाले बदलावों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री की उन कमियों का भी जिक्र किया, जिन्हें दूर किया जाना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा कि समस्या यह है कि हम फलों को पानी दे रहे हैं, जड़ों को नहीं, यानी लेखन को। काम बेहद सतही हो गया है। मैं यह नहीं कह रही कि कॉमर्शियल या कॉमेडी फिल्में नहीं बन सकतीं, लेकिन इसकी शुरुआत राइटिंग से होती है। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान टिस्का चोपड़ा ने बॉलीवुड में होने वाले बदलावों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री की उन कमियों का भी जिक्र किया, जिन्हें दूर किया जाना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा कि समस्या यह है कि हम फलों को पानी दे रहे हैं, जड़ों को नहीं, यानी लेखन को। काम बेहद सतही हो गया है। मैं यह नहीं कह रही कि कॉमर्शियल या कॉमेडी फिल्में नहीं बन सकतीं, लेकिन इसकी शुरुआत राइटिंग से होती है। आपको अपने लेखकों को समय देना होगा और उन्हें आइडियाज पर सोचने की आजादी देनी होगी, तभी वो कुछ क्रिएटिव सोच पाएंगे। लेकिन हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते। हम बहुत डरे हुए हैं। कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता। हम वही पुरानी चीजें थोड़े-बहुत बदलाव के साथ करते रहते हैं। दर्शक अब इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। जब आप दृढ़ विश्वास के साथ कुछ नया लाते हैं, तो लोग उसे स्वीकार कर लेते हैं। टिस्का चोपड़ा से पहले भी कई दिग्गज बॉलीवुड में लेखकों को प्रोत्साहित करने और राइटिंग में कुछ क्रिएटिव करने की बात कह चुके हैं। धुरंधर की तारीफ करते हुए अधिकांश लोगों ने फिल्म की राइटिंग और उसके तकनीकी पक्ष की तारीफ की है। इनमें ऋतिक रोशन, सुधीर मिश्रा और राम गोपाल वर्मा जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

82 साल से रुका हुआ है इस गांव में टाइम, अनोखी है वजह

दुनिया में कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जिनके बारे में जानकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। ये स्थान समय के साथ आगे नहीं बढ़ते, बल्कि जैसे किसी एक दौर में ठहर जाते हैं। इंग्लैंड में मौजूद एक ऐसा ही गांव है, जिसकी कहानी लोगों को हैरान भी करती है और भावुक भी। इस गांव का नाम टाइनहैम है, जो इंग्लैंड के डॉर्सेट काउंटी में स्थित है। टाइनहैम को देखकर ऐसा लगता है मानो यहां वक्त ने अपनी रफ्तार थाम ली हो और सब कुछ बीसवीं सदी की शुरुआत में ही रुक गया हो। इस गांव की गलियां, पत्थर से बने घर, पुराने चौराहे और लैंपपोस्ट आज भी उसी रूप में खड़े हैं, जैसे वो कई दशक पहले हुआ करते थे। यहां आने वाला हर व्यक्ति एक पल के लिए यही महसूस करता है कि वह आधुनिक दुनिया से कटकर किसी पुराने दौर में पहुंच गया है। टाइनहैम कोई आम गांव नहीं है, बल्कि यह ब्रिटिश इतिहास का एक ऐसा हिस्सा है, जो आज भी बीते समय की कहानी बयां करता है। टाइनहैम कभी एक जीवंत और खुशहाल गांव हुआ करता था। यहां परिवार रहते थे, बच्चे खेलते थे और लोग एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध ने इस गांव की किस्मत हमेशा के लिए बदल दी। साल 1943 टाइनहैम के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ बनकर आया। उस समय ब्रिटिश सेना ने युद्ध की जरूरतों को देखते हुए इस गांव को अपने कब्जे में लेने का फैसला किया। गांव के पास लुलवर्थ फायरिंग रेंज थी, जिससे यह इलाका सैन्य प्रशिक्षण के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना गया। सरकार के आदेश पर टाइनहैम के सभी निवासियों को गांव खाली करने के लिए कहा गया। यह फैसला आसान नहीं था। सैकड़ों लोगों को अपने घर, अपनी जमीन और अपनी यादें पीछे छोड़नी पड़ीं। लोगों ने भारी मन से यह कदम उठाया, लेकिन उन्होंने इसे देशहित में दिया गया बलिदान माना। गांव छोड़ते वक्त अधिकांश लोगों को उम्मीद थी कि युद्ध खत्म होने के बाद वे दोबारा अपने घर लौट सकेंगे और जीवन को फिर से शुरू करेंगे। गांव के चर्च के प्रवेश द्वार पर उस समय एक संदेश लगाया गया था, जो आज भी लोगों को भावुक कर देता है। उस संदेश में लिखा था कि गांव और गिरजाघर का ख्याल रखा जाए, क्योंकि यहां के लोग अपने घर इसलिए छोड़कर जा रहे हैं ताकि देश आजाद रह सके।

अजब-गजब | यहां है दुनिया का अनोखा चिड़ियाघर

पिंजरे में कैद होते हैं इंसान, खुले घूमते हैं खूंखार जानवर

आमतौर पर किसी भी चिड़ियाघर में हम जानवरों को पिंजरे में कैद देखते हैं, जबकि इंसान खुले में सुरक्षित बाहर घूमते दिखाई देते हैं। लेकिन चीन के चोंगकिंग शहर ने इस रस्म को पूरी तरह पलट दिया है। लेहे लेदु वाइल्डलाइफ जू में पर्यटकों को यह अनुभव कराया जाता है कि जब कोई खूंखार शिकारी जानवर आपका पीछा करता है, तो कैसा महसूस होता है। यह अनुभव इतना रोमांचक और डरावना है कि यहां की टिकटें अगले तीन महीनों के लिए पहले ही बुक हो जाती हैं। इस अनूठे सफर में सैलानियों को एक ट्रक के पीछे बने लोहे के मजबूत पिंजरे में बंद कर दिया जाता है। जैसे ही यह ट्रक पार्क के अंदर घुसता है, खुले में घूम रहे शेर और बाघ पिंजरे की ओर दौड़ते हैं।

सुनकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इन जानवरों को और करीब लाने के लिए पिंजरे की सलाखों के बाहर मांस के बड़े टुकड़े लटकाए जाते हैं, ताकि पर्यटक इन शिकारी जानवरों को अपने चेहरे के बिल्कुल करीब देख सकें। चिड़ियाघर की प्रवक्ता चान लियांग के अनुसार, वे घूमने आए टूरिस्ट्स को बिना किसी जोखिम के शेर-बाघ जैसे खतरनाक जानवरों द्वारा पीछा किए जाने और हमला किए जाने का रोमांच देना चाहते थे। इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यह जू दुनिया के उन चंद जगहों में से एक है जहां 'ह्यूमन केज' का कॉन्सेप्ट इस्तेमाल होता है। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बावजूद पर्यटकों को सख्त चेतावनी दी जाती है कि वे अपनी उंगलियां और हाथ हर समय पिंजरे के अंदर ही रखें, क्योंकि एक भूखा बाघ उंगलियों और नाश्ते के बीच अंतर नहीं समझ पाएगा।

यह सफारी उन लोगों के लिए है, जो एड्रेनालिन रश के शौकीन हैं और वन्यजीवों को उनके सबसे आक्रामक रूप में देखना चाहते हैं। यह चिड़ियाघर न केवल मनोरंजन का केंद्र है, बल्कि यह इंसानों को यह भी महसूस कराता है कि पिंजरे में कैद होने पर जानवरों को कैसा लगता होगा। जहां एक ओर लोग इस रोमांच को पसंद कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पशु अधिकार कार्यकर्ता जानवरों को मांस का लालच देकर उनके प्राकृतिक व्यवहार को प्रभावित करने पर चिंता भी जता चुके हैं। बावजूद इसके इस 'उल्टे चिड़ियाघर' की लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और यह चीन के सबसे चर्चित पर्यटन स्थलों में से एक बन गया है।

दिल्ली विस में प्रदूषण के मुद्दे पर हंगामा

» सदन में मास्क लगाकर पहुंचे आप विधायक

» उपराज्यपाल के अभिभाषण से सत्र का आगाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का चार दिवसीय शीतकालीन सत्र आज आरंभ हो गया। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के साथ सदन शुरू हुआ। सत्र की शुरुआत में ही एलजी के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के विधायकों ने वायु प्रदूषण के मुद्दे पर हंगामा किया। इस हंगामे के कारण स्पीकर को कार्रवाई करनी पड़ी और विपक्ष के विधायकों को सदन से बाहर निकलवाना पड़ा। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कुलदीप कुमार, सोमदत्त और संजीव झा को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया।

आम आदमी पार्टी वायु प्रदूषण के मुद्दे पर भारतीय भाजपा सरकार को घेरने की पूरी तैयारी में है, और इसी के चलते सदन में आप के विधायक मास्क लगाकर पहुंचे। यह शीतकालीन सत्र 8 जनवरी तक चलेगा, हालांकि जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, महात्मा गांधी के सर्वोदय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय तथा बाबासाहब अम्बेडकर के समता के सिद्धांतों के अनुरूप पिछले 10 महीनों में सरकार ने दिल्ली के सभी नागरिकों के कल्याण की दिशा में अनेक निर्णय लिए हैं। इस वर्ष सरकार ने 1 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया। सरकार ने इज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत व्यवसायिक प्रक्रियाओं को भी सरल बनाया है।

आप ने भाजपा सरकार को घेरा

सत्र बहुत महत्वपूर्ण, सब जिम्मेदारियां निभाएं: रेखा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, विधानसभा के शीतकालीन सत्र का अभिनंदन करते हुए, मैं कहना चाहूंगी कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए। विधानसभा का यह सत्र पॉलिसी और डिलीवरी के लिए बुलाया गया है, जहां महत्वपूर्ण चर्चाएं होती हैं। खासकर प्रदूषण जैसे मुद्दों पर, जिन पर सरकार ने सभी को चर्चा के लिए बुलाया है, सभी विधायकों को बहस में हिस्सा लेना चाहिए और दिल्ली को बेहतर समाधान देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। यह सत्र बहुत महत्वपूर्ण है, और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसके हर पल का इस्तेमाल दिल्ली की भलाई के लिए करें।

लोग सांस नहीं ले पा रहे और दिल्ली सरकार मौन : आतिशी

आम आदमी पार्टी के विधायकों ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर दिल्ली विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आप नेता आतिशी ने कहा, चार महीने से दिल्ली के लोग सांस नहीं ले पा रहे, बच्चों का दम घुट रहा है, बुजुर्गों की जान जा रही है। एम्स जैसे अस्पताल कह रहे हैं कि दिल्ली में लोगों की जीना मुश्किल हो रहा है। लेकिन दिल्ली सरकार क्या कर रही है? एक्यूआई मॉनिटर्स को मैनिपुलेट कर रही है। ग्रैप सही तरीके नहीं लगा रही। आज दिल्ली वालों को सांस लेने के लिए ये मास्क पहनने पड़ रहे हैं। आज दिल्ली की जनता की आवाज बनकर भाजपा का भंडाफोड़ करने के लिए आप के सभी विधायक ये मास्क पहन कर आए हैं।

इंदौर कांड लापरवाही नहीं, सुनियोजित हत्या

» कांग्रेस 11 जनवरी को निकलेगी न्याय यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। भागीरथपुरा दूषित पेयजल मामले में कांग्रेस 11 जनवरी को न्याय यात्रा निकालेगी। इसके साथ ही हर वार्ड में इन मृतकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस घटना के लिए कांग्रेस ने प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री तथा क्षेत्र के विधायक कैलाश विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की है। इस प्रदर्शन को लेकर शहर के सभी ब्लॉक अध्यक्ष, पार्षद और प्रमुख नेताओं को बुलाया गया था। सभी नेताओं से कहा कि भागीरथपुरा के मुद्दे को लेकर आंदोलन किस तरह से किया जाना चाहिए इस बारे में आप अपने सुझाव दें। सभी नेताओं के द्वारा दिए गए सुझाव के आधार पर यह फैसला लिया गया है कि 11 जनवरी को कांग्रेस के द्वारा भागीरथपुरा के 16 मृतकों के परिवार को न्याय दिलाने के लिए न्याय यात्रा निकाली जाएगी।

यह न्याय यात्रा बड़ा गणपति चौराहा से शुरू होगी और राजवाड़ा पर अहिल्या प्रतिमा पर आकर समाप्त होगी। इस यात्रा के माध्यम से इन सभी मृत व्यक्तियों के परिवार जनों के लिए न्याय मांगा जाएगा। भागीरथपुरा के मामले में हुई मौत कोई साधारण मौत या लापरवाही न होकर एक सुनियोजित हत्या है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस घटना के दोषियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए। पटवारी ने कहा कि हम हर वार्ड में इन मृतकों को श्रद्धांजलि देंगे। गांधी भवन में आयोजित की गई बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा इंदौर की प्रभारी नियुक्त की गई उषा नायडू, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष शोभा ओझा, प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े और अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे।

नेहा सिंह राठौर को देनी होगी अपनी मेडिकल रिपोर्ट

» फिर से आना होगा लखनऊ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। नेहा ने देरी से बयान दर्ज कराने के सवाल पर पुलिस को बताया कि वह बीमार थीं। करीब चार घंटे तक चली पूछताछ में नेहा ने कहा था कि उन्हें बुखार था और गले में दिक्कत थी। इस वजह से बयान दर्ज कराने देर से आईं। हजरतगंज पुलिस ने उन्हें मेडिकल रिपोर्ट के साथ दोबारा आने के लिए कहा है। पुलिस का कहना है कि कई बार नोटिस भेजे जाने के बाद भी नेहा बयान दर्ज कराने नहीं आ रही थीं। शनिवार देर शाम वह पति के साथ थाने पहुंची थीं। बयान दर्ज कराने के बाद वह लौट गईं। नेहा का कहना था कि उन्हें दो सप्ताह पहले ही नोटिस मिला था।

नेहा सिंह के खिलाफ 27 अप्रैल को हजरतगंज थाने में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के संबंध में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। गुडंबा के वुडलैंड पैराडाइज निवासी कवि अभय प्रताप सिंह ने उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था। आरोप है कि नेहा सिंह ने आपत्तिजनक पोस्ट कर राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने, धर्म-जाति के आधार पर दूसरे समुदाय के विरुद्ध अपराध कारित करने के लिए उकसाने का काम किया है। एसीपी विकास कुमार जायसवाल का कहना है कि विवेचना की जा रही है। साक्ष्य संकलन कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोगों का सवाल: पार्क है या कूड़ाघर

» शहीद चंद्रशेखर आजाद चौक की बदहाली पर सफाई

» जल्द नगर निगम लेगा हैंडओवर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम जोन-4 के जोनल कार्यालय के सामने हुसड़िया चौराहे पर स्थित शहीद चंद्रशेखर आज़ाद चौक के नाम से बने पार्क की बदहाली को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। लाखों रुपये की लागत से बने इस पार्क की वर्तमान स्थिति कूड़ाघर जैसी हो चुकी है, जिससे न केवल नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, बल्कि एक महान शहीद के सम्मान को भी ठेस पहुंच रही है। पार्क में चारों ओर गंदगी फैली हुई है, हरियाली का नामोनिशान नहीं है। पार्क के अंदर ट्रैफिक पुलिस की दो चौकियां बनी हुई हैं, जहां गंदे कपड़े धोकर सुखाए जाते देखे जा सकते हैं।

वहीं कूड़ा बटोरने वाले और भिक्षावृत्ति करने वाले लोग पार्क को अपना अड्डा बनाए हुए हैं। शहीद चंद्रशेखर आज़ाद के नाम से लगा बोर्ड भी जर्जर हालत में पहुंच चुका है। इस पूरे मामले पर उद्यान अधीक्षक शशिकांत ने बताया कि पहले इस पार्क को बजाज नाम की एक निजी संस्था द्वारा हैंडओवर पर लिया गया था। हालांकि, कुछ समय से यह पार्क इसी तरह उपेक्षित स्थिति में पड़ा हुआ है और इसकी देखरेख फिलहाल कोई नहीं कर रहा है। उद्यान अधीक्षक ने आगे बताया कि अब इस पार्क को नगर निगम की सूची में शामिल किया जा रहा है। जल्द ही पार्क को औपचारिक रूप से नगर निगम अपने हैंडओवर में लेगा और इसके बाद यहां सौंदर्यीकरण एवं नियमित रखरखाव की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी।

आदेश को ठेंगा, अब भी तैनात है ईशान कुमार

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में एक सहायक अभियंता को लेकर उठा विवाद अब सीधे सिस्टम की कार्यशैली और नीयत पर सवाल खड़े कर रहा है। उत्तर प्रदेश पालिका (केन्द्रीयकृत) अभियंत्रण सेवा के अंतर्गत कार्यरत ईशान कुमार, सहायक अभियंता का स्थानांतरण आदेश जारी हुए छह महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज 5 जनवरी तक उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया गया है। गौरतलब है कि नगरीय निकाय निदेशालय, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कार्यालय ज्ञापन संख्या 938/वास्था/ सअवि /या/ 202514 जून 2025 के तहत ईशान कुमार का नगर निगम लखनऊ से नगर निगम आगरा में स्थानांतरण किया गया था। इसके बावजूद नगर निगम लखनऊ ने उन्हें अब तक कार्यमुक्त नहीं किया। अब बड़ा सवाल यह है कि जब दिसंबर 2025 भी बीत चुका, तो फिर स्थानांतरण आदेश पर अमल क्यों नहीं हुआ? क्या नगर निगम अपने ही लिखे पत्र और शासन के आदेश को गंभीरता से नहीं ले रहा सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ईशान कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं और इस संबंध में मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंच चुकी है। इसके बावजूद न तो उन्हें कार्यमुक्त किया गया और न ही किसी वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी सार्वजनिक की गई।

टी20 विश्वकप के लिए भारत नहीं आएगा बांग्लादेश

» बीसीबी ने आईसीसी से की श्रीलंका में मैच कराने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने फैसला किया है कि वह टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेगा। भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद उस वक्त से गरमा गया है जब बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने कहा था। अब बीसीबी की तरफ से इस पूरे मुद्दे को लेकर बयान जारी किया गया है। उन्होंने आईसीसी से श्रीलंका में विश्वकप के मैच कराने की मांग की है।

बीसीबी ने कहा, बोर्ड ने पिछले 24 घंटों के घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और भारत में होने वाले मैचों में बांग्लादेश नेशनल टीम की भागीदारी से जुड़ी कुल परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। मौजूदा स्थिति का पूरी तरह से आकलन करने और भारत में बांग्लादेश दल की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और बांग्लादेश सरकार की सलाह पर विचार करने के बाद, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने फैसला किया है कि मौजूदा हालात में बांग्लादेश नेशनल टीम टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं जाएगी। बयान में आगे कहा गया, इस फैसले को देखते हुए, बीसीबी ने इवेंट अथॉरिटी के तौर पर आईसीसी से औपचारिक रूप से रिक्वेस्ट की है कि बांग्लादेश के सभी मैचों को भारत के बाहर किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करने पर विचार किया जाए। इससे पहले, बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के खेल मंत्री ने बीसीबी को निर्देश दिया था कि वह आईसीसी से बांग्लादेश के मुकाबले श्रीलंका में आयोजित करने की मांग उठाने कहा था। बांग्लादेश के खेल मंत्रालय का मानना है कि मुस्तफिजुर को बाहर करने के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

41 शतक के साथ रूट ने की पोंटिंग की बराबरी

सिडनी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे एशेज 2025-26 के पांचवें टेस्ट में जो रूट ने एक बार फिर अपनी क्लास साबित की। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज ने इस सीरीज में और ओवरऑल एशेज इतिहास में अपना दूसरा शतक जड़ते हुए कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए। रूट की यह पारी सिर्फ इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में ले जाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में उनका कद और ऊंचा कर गई। इस शतक के साथ जो रूट ने अपने टेस्ट करियर का 41वां शतक पूरा किया। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग की बराबरी पर पहुंच गए। इतना ही नहीं, रूट ने कुमार संगकारा (38 शतक) को पहले ही पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक टेस्ट शतकों की सूची में संयुक्त रूप से चौथा स्थान हासिल कर लिया था। इस सूची में अब उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर (51) और जैक कैलिस (45) हैं।

कांग्रेस व एआईएमआईएम के निशाने पर एनडीए सरकार

बीजेपी ने भी किया पलटवार, भाजपा गांधी और भगवान राम का नाम दुष्प्रचार के लिए करती, उनके आदर्शों को नहीं मानती : सुरजेवाला

» मोदी का मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड को भारत वापस लाना चाहिए: ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस व एआईएमआईएम ने भाजपा व संघ पर कबार फिर निशाना साधा है। जहां कांग्रेस ने कहा है कि पिछले 11 वर्षों में महात्मा गांधी के आदर्शों का प्रचार-प्रसार के लिए इस्तेमाल किया गया, लेकिन उनके आदर्शों को नजरअंदाज किया गया। ठीक इसी तरह, भाजपा ने भगवान राम के नाम पर सत्ता हथिया ली, लेकिन उनके आदर्शों को अनदेखा किया। भाजपा इसी तरह सरकार चला रही है।

कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को ''विकसित भारत- जी रामजी कानून'' से बदलने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार की आलोचना करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा न तो महात्मा गांधी का सम्मान करती है और न ही भगवान राम का, बल्कि वह केवल इनका इस्तेमाल 'दुष्प्रचार' के लिए करती है।

वहीं एक रैली के दौरान ओवैसी ने कहा कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरे देश में घुसकर मादुरो को न्यूयॉर्क ला सकते हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को भी पाकिस्तान जाकर 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड को भारत वापस लाना चाहिए। ओवैसी ने चुनौती देते हुए कहा, मोदी जी, आप भी पाकिस्तान जाकर मसूद अजहर और लश्कर के उन शैतानों को वापस ला सकते हैं जिन्होंने मुंबई के खिलाफ साजिश रची थी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने हमेशा आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया: गुलाम अली खटाना

ओवैसी के इस तीखे बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने भी कड़ी प्रतिक्रि या दी है। बीजेपी सांसद गुलाम अली खटाना ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने हमेशा आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया, हम एक जिम्मेदार राष्ट्र और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। भारत अपने पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध चाहता है और हम किसी के उकसावे में आकर कार्रवाई नहीं करते। खटाना ने जोर देकर कहा कि भारत की रणनीति देशों को नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाने की रही है।

50 करोड़ गरीब लोगों की आजीविका प्रभावित हुई : सुरजेवाला

सुरजेवाला ने दावा किया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में लाए गए मनरेगा को ''विकसित भारत- रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी जी राम जी) से प्रतिस्थापित करने से लगभग 50 करोड़ गरीब लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, पिछले 11 वर्षों में महात्मा गांधी के आदर्शों का प्रचार-प्रसार के लिए इस्तेमाल किया गया, लेकिन उनके आदर्शों को नजरअंदाज किया गया। ठीक इसी तरह, भाजपा ने भगवान राम के नाम पर सत्ता हथिया ली, लेकिन उनके आदर्शों को अनदेखा किया। भाजपा इसी तरह सरकार चला रही है। उन्होंने दावा किया कि मनरेगा के स्थान पर नया कानून लाने से लगभग 12.5 करोड़ गरीब, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस में ओडिशा मामलों के प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने कहा कि पार्टी 10 जनवरी को ओडिशा में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' शुरू करेगी, जो 25 फरवरी तक चलेगा। उन्होंने कहा, ''गरीबों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाले इस नए कानून के विरोध में जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर तक जनसभाएं आयोजित की जाएंगी।

सनसनी फैलाने की कोशिश कर रहे औवैसी : दिलीप जायसवाल

बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने ओवैसी के बयान पर तंज कसते हुए इसे केवल सनसनी फैलाने की कोशिश करार दिया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि ओवैसी अब अमेरिकी राष्ट्रपति को सलाह देने लगे हैं और वे प्रार्थना करते हैं कि ट्रंप उनकी बातों पर विचार करें।

अगर देश में लव जिहाद हो रहा तो संसद में डेटा दीजिए : असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद के सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने लव जिहाद पर बीजेपी नेताओं की ओर से किए जा रहे दावों को लेकर सवाल खड़ा किया है। ओवैसी ने कहा है कि अगर लव जिहाद हो रहा है, तो संसद में इसके बारे में कोई डेटा क्यों पेश नहीं किया जा रहा है? ओवैसी का यह सवाल तब सामने आया है जब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इस मसले पर टिप्पणी की है। बीजेपी शासित कई राज्य तो लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने की प्रक्रिया में भी जुटे हुए हैं। ओवैसी ने लव जिहाद पर सुझाव भी दिया है कि सबूतों और सही परिभाषा के साथ इसे लेकर मापदंड तैयार किया और इसे औपचारिक बनाया जाना चाहिए।

सरकारी अस्पतालों के बाहर दलालों का आतंक

» एएस हॉस्पिटल से जुड़े हैं तार, एंबुलेंस चालकों पर जानलेवा हमले का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के सरकारी अस्पतालों के बाहर निजी अस्पतालों से जुड़े दलालों का बोलबाला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आरोप है कि एएस हॉस्पिटल के मालिक आलोक सिंह से जुड़े दलाल सरकारी अस्पतालों के बाहर खुलेआम सक्रि य हैं और एंबुलेंस चालकों को धमकाकर मरीजों को जबरन निजी अस्पतालों में भेजने का दबाव बना रहे हैं। विरोध करने पर जानलेवा हमले तक किए जा रहे हैं। पीड़ित एंबुलेंस चालक का आरोप है कि अचानक मौके पर पहुंचे सूरज सिंह और प्रवीन पाण्डेय ने उसे जबरन एंबुलेंस से उतारकर बेरहमी से पीटा।

बताया जा रहा है कि प्रवीन पाण्डेय के हाथ में लोहे की रॉड सूरज सिंह के हाथ में नुकीला लोहे का पाइप इन हथियारों से चालक पर हमला किया गया। हमलावर गालियां देते हुए धमकी देते रहे आज के बाद यहां एंबुलेंस लेकर आए तो गोली मार देंगे। लोहिया अस्पताल पर सिर्फ हमारी एंबुलेंस चलेगी। सूत्रों के अनुसार मरीजों की दलाली को लेकर दोबारा मारपीट की घटना सामने आई, जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने एक दलाल को हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि वह भी एएस हॉस्पिटल के लिए काम करता है और उसके खिलाफ विभूति खंड थाने में हाल ही में मुकदमा दर्ज हुआ था। हैरानी की बात यह है कि 24 घंटे के भीतर ही वह फिर से दलाली और मारपीट में लिप्त पाया गया। स्थानीय लोगों और एंबुलेंस चालकों का कहना है कि केवल धारा 151 की कार्रवाई से दलालों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। यही वजह है कि आए दिन गरीब मजदूरों और किसानों को सरकारी अस्पतालों से बाहर निकालकर निजी अस्पतालों में भर्ती कराया जाता है, जहां मोटे कमीशन का खेल चलता है।

लोहिया अस्पताल के बाहर वर्चस्व की जंग

सूत्रों के मुताबिक लोहिया अस्पताल परिसर के बाहर एंबुलेंस संचालन को लेकर दलालों के बीच वर्चस्व की जंग चल रही है। आरोप है कि सूरज सिंह और प्रवीन पाण्डेय, जो लोहिया अस्पताल क्षेत्र में एंबुलेंस संचालन से जुड़े बताए जाते हैं, उनके खिलाफ अलग अलग जिलों में पहले से कई गंभीर आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

फोन पर धमकी देने का भी आरोप

किसी तरह जान बचाकर भागे पीड़ित चालक ने स्थानीय लोगों की मदद से थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि इसके बाद एएस हॉस्पिटल के मालिक आलोक सिंह का फोन आया और पुलिस को सूचना देने पर गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई।

पीएम मोदी ने मुरली मनोहर जोशी को दी जन्मदिन की बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने पीएम मोदी के साथ कई भाजपा नेताओं ने जन्मदिन की बधाई दी। आज श्री जोशी आपना 91वें जन्मदिन मना रहे हैं।

पीएम मोदी ने बधाई देते हुए कहा सेवा के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता, खासकर शिक्षा, संस्कृति और भारत के सभ्यतागत मूल्यों को लोकप्रिय बनाने ने सार्वजनिक जीवन को बहुत समृद्ध किया है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली में मुरली मनोहर जोशी से मुलाकात करके उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

भारत पर टैरिफ बढ़ाने की ट्रंप ने फिर दी धमकी

बोले- पीएम मोदी मुझे खुश करना चाहते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एकबार फिर भारत को धमकी दी है। ट्रंप ने भारत को चेतावनी देते हुए कहा कि टैरिफ और ज्यादा बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस का भी जिक्र किया।

ट्रंप ने भारत समेत कई देशों पर टैरिफ लगा दिया था। अहम बात यह भी है कि उन्होंने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाने का जिक्र करते हुए कहा, इस मुद्दे पर वे असल में मुझे खुश करना चाहते थे, प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे आदमी हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं, उन्हें पता था कि भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने से मैं खुश नहीं था, मुझे खुश करना जरूरी था, अगर वह रूसी तेल खरीदना जारी रखते हैं तो हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं। दरअसल ट्रंप ने अगस्त 2025 में भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था। वे भारत के रूस के साथ तेल व्यापार को लेकर खुश नहीं थे और उन्होंने कई बार इसका जिक्र भी किया।

लालू यादव को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका

आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में पूर्व रेल मंत्री को नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को आईआरसीटीसी होटल घोटाले मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिका पर नोटिस जारी किया। लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई मामले में निचली अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीबीआई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

हालांकि, निचली अदालत के आदेश के खिलाफ तत्काल कोई राहत नहीं दी गई है। अदालत ने आदेश पर रोक नहीं लगाई है। अदालत ने स्थगन याचिका पर सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा, उन्हें जवाब दाखिल करने दें। मैं स्थगन के मुद्दे पर आपकी बात सुनूंगी। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को जवाब दाखिल करने को कहा है। अगली सुनवाई की तारीख 14 जनवरी है। लालू प्रसाद यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह (एकता वत्स की सहायता से), अधिवक्ता वरुण जैन और नवीन कुमार पेश हुए। उन्होंने स्थगन की मांग की। सीबीआई की ओर से सहायक अधिवक्ता डी पी सिंह और अधिवक्ता मनु मिश्रा पेश हुए। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कथित आईआरसीटीसी घोटाले में भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। अक्टूबर 2025 में, निचली अदालत ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा निविदा आवंटन में कथित अनियमितताओं के संबंध में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ आरोप तय किए थे। उनकी पत्नी, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, और उनके बेटे तेजस्वी यादव, जो वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं, पर भी आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा